

Bihar Board Class 7 Science Notes Chapter 12 अम्ल, क्षार एवं लवण

अम्ल खट्टा होता है। यह नीले लिटमस पत्र को लाल कर देता है। अम्ल और क्षार मिलकर लवण बनाते हैं। नींबू संतरा का रस अम्लीय होते हैं। क्षार का स्वाद कड़वा होता है। क्षार और अम्ल मिलकर लवण बनाते हैं। साबुन क्षारीय होता है। वैसे पदार्थ जिसके द्वारा किसी पदार्थ के अम्लीय एवं क्षारीय होने का पता लगाया जाता है। सूचक कहलाता है। लिटमस पत्र, फिनापथलीन, मिथाइल ऑरेंज हल्दी पत्र, उड़हल के पुष्प सूचक हैं।

प्रकृति में अम्ल की सूची –

अम्ल के नाम	पाया जाता है।
एसीटिक अम्ल	सिरका
फॉर्मिक अम्ल	लाल चिंटी
साइट्रिक अम्ल	नींबू, संतरा
लैक्टिक अम्ल	दही
ऑक्सेलिक अम्ल	पालक
एस्कॉर्बिक अम्ल	आंवला, साइट्रस फल
टार्टरिक अम्ल	इमली, अंगूर, कच्चे आम
क्षार पाये जाते हैं—	
कैल्सियम हाइड्रॉक्साइड	चूने का पानी
अमोनियम हाइड्रॉक्साइड	काँच साफ करने (मार्जक)
सोडियम हाइड्रॉक्साइड	साबुन
मैग्नेशियम हाइड्रॉक्साइड	दूधिया मैग्नीशियम

जब किसी अम्लीय विलयन में क्षारीय विलयन मिलाया जाता है तो दोनों विलयन एक-दूसरे के प्रभाव को उदासीन कर देते हैं। अम्ल और क्षार को एक-दूसरे को एक निश्चित मात्रा में आपस में मिलाने पर विलयन की प्रकृति न तो अम्लीय रहती है और न क्षारीय। दूसरे शब्दों में अम्ल और क्षार दोनों की ही प्रकृति लुप्त हो जाती है। इस प्रकार बना विलयन न तो अम्लीय रहता है और न ही क्षारीय। इस क्रिया को उदासीनीकरण कहते हैं।



(हाइड्रोक्लोरिक अम्ल) (सोडियम हाइड्रॉक्साइड) सोडियम क्लोराइड जल सभी उदासीन विलयन लवण नहीं होते हैं। जैसे शक्कर का विलयन या स्टार्च का विलयन उदासीन है लेकिन शक्कर और स्टार्च लवण नहीं है।

अमाशय में अम्ल को अधिक मात्रा हो जाने पर अपाचन हो जाता है। मैग्नेशियम हाइड्रॉक्साइड का प्रयोग कर अम्ल के प्रभाव को खत्म किया जाता है।

रासायनिक उर्वरकों का ज्यादा प्रयोग करने से मिट जातीय या तो धारीय हो जाता है और पौधे की वृद्धि कम हो जाती है। मिट्टी में होने पर कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड या ऑक्साइड का प्रयोग करते हैं और मिट्टी क्षारीय हो तो जैव पदार्थ मिलाए जाते हैं। नदियों तालाबों में जब कारखानों के पानी मिलते हैं तो मछलियाँ मरने लगती है क्योंकि पानी अम्लीय हो जाता है। दाँतों का क्षय होता अम्ल का कारण है।

evidyarthi